



HEMCHANDRACHARYA NORTH GUJARAT UNIVERSITY, PATAN

PROGRAMME: MASTER OF ARTS (M.A.)

SEMESTER SYSTEM

PROGRAMME CODE: HNGU2012

AS PER THE NEW GUIDELINES FROM THE UNIVERSITY

(WITH EFFECT FROM JUNE-2020-21)




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

CORE COURSE

ક્રમિક



Hemchandracharya
I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -201 ' आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ '

पुस्तकें : १. ' कोर्ट मार्शल '(नाटक) - स्वदेश दीपक , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली ।

२. ' ध्रुवस्वामिनी ' (नाटक) - जयशंकर प्रसाद , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली ।

३. ' अशोक के फूल ' (निबंध) - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी , लोकभारती प्रकाशन
दिल्ली ।

यूनिट - १. उपर्युक्त नाटकों और निबंध-संग्रह में से ससंदर्भ व्याख्या ।

यूनिट - २. ' कोर्ट मार्शल ' नाटक का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली । शीर्षक की
सार्थकता , प्रमुख चरित्र - कर्नल सूरतसिंह , कैप्टन बिकासराय , रामचन्द्र गौण
पात्र - मेजर अजयपुरी , सूबेदार बलवानसिंह , ब्रजेन्द्र रावत आदि ।

यूनिट - ३. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली । शीर्षक की
सार्थकता , प्रमुख चरित्र - ध्रुवस्वामिनी , चन्द्रगुप्त ; गौण पात्र - रामगुप्त , शकराज
, शिखरस्वामी , मन्दाकिनी , पुरोहित आदि ।

यूनिट - ४. ' अशोक के फूल ' निबंध-संग्रह के निबंधों के विचार-जगत और भाव-सृष्टि का
अनुशीलन , आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की निबंधकार के रूप में विशेषताएँ ।



❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ ससंदर्भ व्याख्या (उपर्युक्त उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से)

(ख) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घतरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ उपर्युक्त नाटकों और निबंध-संग्रह में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी
, जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. स्वदेश दीपक का साहित्य : विविध आयाम - डॉ. सुरेशकुमार , संजय प्रकाशन , नई दिल्ली |
२. नाटककार स्वदेश दीपक - श्वेता कुमारी , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
३. नाटककार जयशंकर प्रसाद - संपादक : सत्येन्द्र तनेजा , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली |
४. प्रसाद के नाटक - डॉ. सिद्धनाथकुमार , वाणी प्रकाशन , इलाहाबाद |
५. हिन्दी निबंध के आधार स्तम्भ - प्रा. हरिमोहन , तक्षशिला प्रकाशन , दिल्ली |
६. आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी - सर्जक और चिंतक - डॉ. मृदुला पारिक , पार्श्व प्रकाशन , अहमदाबाद |



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -202 ' मध्ययुगीन हिन्दी काव्य '

पुस्तकें : १. 'संक्षिप्त बिहारी ' - संपादक : श्री रमाशंकर प्रसाद , इंडियन प्रेस प्रा. लिमिटेड
, दिल्ली | निम्नांकित दोहे पाठ्यक्रम में हैं -

१ से १० , १४, १५, १७ से २३ , २७, २८, २९, ३२, ३३, ३५, ३६, ३८, ३९,
४० , ४२, ४४, ४६, ५१, ५३, ५४, ५७, ६०, ६२, ६४, ६५, ६६, ६७, ७२, ७४, ७६,
७८ , ८०, ८१, ९१, ९५ = ५० दोहे |

२. ' मीराबाई की पदावली ' संपादक - आ. परशुराम चतुर्वेदी ,हिन्दी साहित्य
सम्मेलन प्रयाग | निम्नांकित पद पाठ्यक्रम में हैं -

१, ३, ५, ८, ११, १४, १६, १९, २१, २४, २५, २९, ३३, ३७, ३९, ४१, ४४, ४६,
४९ , ५२, ५४, ५७, ६०, ६१, ६२ = २५ पद |

यूनिट - १. उपर्युक्त दोहों और पदों में से ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट - २. रीतिकाल और बिहारी , बिहारी का श्रृंगार-वर्णन , बिहारी की बहुज्ञता , बिहारी की
भक्ति-भावना |

यूनिट - ३. भक्तिकाल और मीराबाई , मीराबाई की भक्ति-भावना , मीराबाई की विरहानुभूति |

यूनिट - ४. बिहारी के दोहे , बिहारी की भाषा , मीराबाई के पदों की भाषा , मध्ययुगीन समाज
और मीराबाई का जीवन-संघर्ष |

❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप :



- प्रश्न - १ बिहारी के दोहों और मीराबाई के पदों में से ससंदर्भ व्याख्या
(क) अथवा (ख) , (ख) अथवा (क) | अंक : १४
- प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४
- प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४
- प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४
- प्रश्न - ५ यूनिट २, ३, ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र , वाणी प्रकाशन , वाराणसी |
२. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चनसिंह , प्रचारक पुस्तकालय , वाराणसी |
३. बिहारी और उनकी सतसई - डॉ. श्रीराम वर्मा , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |
४. मुक्तक काव्य-परंपरा और बिहारी - डॉ. रामसागर त्रिपाठी , अशोक प्रकाशन, दिल्ली |
५. मीरा की भक्ति-भावना - डॉ. धनंजय चौहाण , ज्ञान प्रकाशन , कानपुर |
६. मध्यकालीन काव्य - एक दृष्टिपात - संपादक : डॉ. अर्जुन तड़वी , रावल प्रकाशन , पाटण |
७. भक्तिकाल के कालजयी रचनाकार - डॉ. विष्णुदास वैष्णव , कमला प्रकाशन , डीसा |



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -203 ' पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धान्त और वाद '

यूनिट - १. प्लेटो के काव्य-सिद्धान्त , अरस्तू का अनुकरण और त्रासदी विवेचन , लॉजाइनस -
उदात्त की अवधारणा |

यूनिट - २. विलियम वर्ड्सवर्थ का काव्य-भाषा सिद्धान्त , सैमुअल टेलर कॉलरिज का कल्पना
सिद्धान्त और ललित कल्पना |

यूनिट - ३. टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा , निर्वैयक्तिकता का
सिद्धान्त , वस्तुनिष्ठ समीकरण , संवेदनशीलता का असाहचर्य |

आई. ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ , संवेगों का संतुलन , व्यावहारिक आलोचना |

यूनिट - ४. सिद्धान्त और वाद : आभिजात्यवाद , स्वच्छंदतावाद , अभिव्यंजनावाद , मार्क्सवाद
, मनोविश्लेषणवाद और अस्तित्ववाद |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४



संदर्भ-ग्रंथ :

८. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा - डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली ।
 ९. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन , कुसुम बांध्या , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली ।
 १०. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली ।
 ११. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धान्त -केसरीनारायण शुक्ल , नंदकिशोर एण्ड सन्स ,वाराणसी ।
 १२. काव्य में उदात्त तत्त्व - डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली ।
- U-Tube पर ई-पाठशाला के अन्तर्गत विद्वानों के व्याख्यान उपलब्ध हैं ।



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -204 ' हिन्दी उपन्यास '

पुस्तकें : १. ' चित्रलेखा ' - भगवतीचरण वर्मा , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली

२. ' जंगलतंत्र ' - श्रवणकुमार गोस्वामी , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली ।

यूनिट - १. उपर्युक्त उपन्यासों में से ससंदर्भ व्याख्या ।

यूनिट - २. उपन्यास का स्वरूप , उपन्यास का उद्भव और विकास ,हिन्दी उपन्यास के प्रमुख प्रकार - पौराणिक , ऐतिहासिक , राजनीतिक , सामाजिक , आँचलिक , मनोवैज्ञानिक | हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तु और शिल्पगत वैशिष्ट्य ।

यूनिट - ३. ' चित्रलेखा ' उपन्यास का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , देशकाल और वातावरण , भाषा-शैली , उद्देश्य | शीर्षक की सार्थकता , उपन्यास में निरूपित युगबोध या समस्याएँ ।

यूनिट - ४. ' जंगलतंत्र ' उपन्यास का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , देशकाल और वातावरण , भाषा-शैली , उद्देश्य | शीर्षक की सार्थकता , उपन्यास में निरूपित युगबोध या समस्याएँ ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ उपर्युक्त उपन्यासों में से ससंदर्भ व्याख्या -

(क) अथवा (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

हिन्दी अभ्यास समिति , हेम. उ. गुज. युनि. पाटण



I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४
- प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४
- प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घातरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे । अंक : १४
- प्रश्न - ५ यूनिट २ , ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. भगवतीचरण वर्मा का कथा-साहित्य - डॉ. दत्तात्रेय गिरि ,विद्या प्रकाशन ,कानपुर ।
२. हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास - सुरेश सिन्हा , अशोक प्रकाशन , दिल्ली ।
३. उपन्यास - स्थिति और गति - डॉ. चन्द्रकान्त बांदिवडेकर , पूर्वोदय प्रकाशन , नई दिल्ली ।
४. साठोतरी हिन्दी उपन्यासों में राजनीतिक चेतना - पुष्पेंद्र दुबे
५. बड़े उपन्यास बड़ी बात - डॉ. सोमाभाई पटेल , रावल प्रकाशन , पाटण ।



हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 205 C हिन्दी व्यंग्य साहित्य

पुस्तकें : १ हरिशंकर परसाई : प्रतिनिधि व्यंग्य - राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।

पाठ्य-रचनाएँ : घायल बसन्त , पहिला सफ़ेद बाल , बेईमानी की परत , पगडंडियों का जमाना , विकलांग श्रद्धा का दौर , प्राइवेट कॉलेज का घोषणा-पत्र , वैष्णव की फिसलन , दो नाकवाले लोग , ठिठुरता हुआ गणतन्त्र , इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर ।

२ दो व्यंग्य नाटक : एक था गधा उर्फ अलादाद , अंधों का हाथी - शरद जोशी , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।

यूनिट - १ व्यंग्य का अर्थ और स्वरूप , व्यंग्य विधा है या शैली , स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में व्यंग्य-लेखन परंपरा ।

यूनिट - २ हिन्दी के प्रमुख व्यंग्यकारों का संक्षिप्त परिचय - १. हरिशंकर परसाई २. शरद जोशी ३. रवीन्द्रनाथ त्यागी ४. नरेन्द्र कोहली ५. श्रीलाल शुक्ल ६. लतीफ़ घोषी ।

यूनिट - ३ हरिशंकर परसाई की पाठ्य व्यंग्य-रचनाओं का अनुशीलन , हरिशंकर परसाई की व्यंग्य-चेतना , हरिशंकर परसाई की व्यंग्य-भाषा ।

यूनिट - ४ दो व्यंग्य नाटकों का समीक्षात्मक अध्ययन , दो व्यंग्य नाटकों में निहित व्यंग्य-निरूपण , शरद जोशी की व्यंग्य-चेतना , शरद जोशी की व्यंग्य-भाषा ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ उपर्युक्त व्यंग्य-संग्रह और व्यंग्य-नाटकों में से ससंदर्भ



(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २, ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. हिन्दी व्यंग्य एवं व्यंग्यकार - डॉ. बापूराव देसाई , विनय प्रकाशन , कानपुर |
 २. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई - डॉ. भरत ए. पटेल , चिन्तन प्रकाशन , कानपुर |
 ३. हिन्दी व्यंग्य-लेखन में शरद जोशी का योगदान - डॉ. शिवशंकर यादव , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
 ४. हिन्दी के प्रमुख व्यंग्यकार - डॉ. स्मिता चिपलूणकर , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
 ५. शरद जोशी के व्यंग्य-नाटक - सुश्री अनुपमा दी भोरी , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
 ६. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा , अतुल प्रकाशन , कानपुर |
-



CORE COURSE

ગુજરાતી



Hemchandracharya
I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- II : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-201

પ્રશ્નપત્ર : ગ્રંથકારનો અભ્યાસ (મધ્યકાલીન)

નિયત ગ્રંથકાર : દયારામ

- એકમ-૧ : ૧. લેખક-ગ્રંથકારનો જન્મ અને કવનકાળ , સમકાલીન સમયની સામાજિક, રાજકીય અને સાંસ્કૃતિક પરિસ્થિતિ.
૨. ગ્રંથકારનું જીવન અને ઉછેર
૩. ગ્રંથકારના સાહિત્યિક વ્યક્તિત્વને ઘડનારાં પરિબલો.
- એકમ-૨ : ૧. ગુજરાતી સાહિત્યમાં ગ્રંથકારનું સ્થાન , ઐતિહાસિક દ્રષ્ટિએ તેમના સાહિત્યકાર્યનો પ્રભાવ.
૨. સાહિત્યકારનું સાહિત્યિક અર્પણ, સમગ્ર સર્જનકાર્ય.
૩. સાહિત્યકારના સમગ્ર સાહિત્ય પ્રદાનનું મૂલ્યાંકન
- એકમ-૩ : સાહિત્યકારે ખેડેલાં સ્વરૂપોને કેન્દ્રમાં રાખીને તેમની સાહિત્યકૃતિઓની સમીક્ષા – મૂલ્યાંકન.
'વાંસલડી' : સં.સુમન શાહ : પાર્શ્વ પ્રકાશન
- એકમ-૪ : ગ્રંથકારલક્ષી અને કૃતિલક્ષી ટૂંકનોંધો.
- એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો:

૧. ગુજરાતી સાહિત્યનો ઇતિહાસ – ગ્રંથ : ૨, પ્રકાશન : ગુજરાતી સાહિત્ય પરિષદ
૨. સાહિત્યનો ઇતિહાસ : મધ્યકાળ – અનંતરાય રાવળ
૩. આપણા કવિઓ – ખંડ:૧ – કે.કા.શાસ્ત્રી
૪. મધ્યકાલીન ગુજરાતી સાહિત્યનો ઇતિહાસ – હસુ યાજ્ઞિક
૫. દયારામનો અક્ષરદેહ : ગો.મા.ત્રિપાઠી
૬. દયારામ : સુભાષ દવે : કુમકુમ પ્રકાશન
૭. દયારામનાં પદો : સુભાષ દવે : આદર્શ પ્રકાશન
૮. દયારામનાં અપ્રકાશિત પદો : જગદીશ શાહ : પોપ્યુલર પ્રકાશન , સુરત.




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- II : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-202

પ્રશ્નપત્ર : ભારતીય સાહિત્ય મીમાંસા

એકમ-૧ : ભારતીય કાવ્યશાસ્ત્ર

૧. ભારતીય કાવ્યશાસ્ત્ર અને તેની પરંપરાનો પરિચયાત્મક અભ્યાસ
૨. ભારતીય કાવ્યશાસ્ત્રના વિવિધ સંપ્રદાયોનો પરિચય
 - ૧) રીતિ વિચાર
 - ૨) અલંકાર વિચાર
 - ૩) ઔચિત્ય વિચાર

એકમ-૨ : ૧. ભરતનું રસસૂત્ર અને તેના અનુગામી કાવ્યશાસ્ત્રીઓએ કરેલી રસસૂત્રની વિચારણા

૨. અભિનવગુપ્તનો રસવિચાર, સાધારણીકરણ, રસપ્રતીતિનાં વિધનો

એકમ-૩ : ૧. ધ્વનિ સિદ્ધાંતની વિભાવના

૨. ધ્વનિનું સ્વરૂપ , આનંદવર્ધનનો ધ્વનિવિચાર, ધ્વનિના પ્રકાર

એકમ-૪ : વક્રોક્તિ અને રમણીયતાનો સિદ્ધાંત

(અ) ૧. ભામહ , દંડી અને કુંતકની વક્રોક્તિ વ્યાખ્યા અને વિચારણા

૨. કુંતકનો વક્રોક્તિવિચાર , વક્રોક્તિનું સ્વરૂપ અને પ્રકારો

(બ) ૧. જગન્નાથની રમણીયતાની વિભાવના

૨. રમણીયતાનું સ્વરૂપ , કાવ્યના પ્રકાર, કાવ્યહેતુ

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના

જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. ભારતીય કાવ્ય સિદ્ધાંત – જયંત કોઠારી

૨. સાહિત્યના સિદ્ધાંતો – નગીનદાસ પારેખ

૩. કાવ્યવિચાર – અનુવાદ : નગીનદાસ પારેખ

૪. અભિનવ ગુપ્તનો રસવિચાર અને બીજા લેખો – નગીનદાસ પારેખ

૫. રસ અને ધ્વનિ – નગીનદાસ પારેખ.

૬. ધ્વનિ – રમેશ શુક્લ

૭. રસસિદ્ધાંત – પ્રમોદકુમાર પટેલ

૮. વક્રોક્તિ વિચાર : રાજેન્દ્ર નાણાવટી

૯. ભારતીય સાહિત્ય મીમાંસા – ડો. બહેચરભાઈ પટેલ

૧૦. ભારતીય સાહિત્ય મીમાંસા – ડો. બહેચરભાઈ પટેલ

૧૧. ધ્વન્યાલોક – ડો.લરરાય માંકડ

૧૨. સાહિત્યમીમાંસા : વિષ્ણુપ્રસાદ ભટ્ટાચાર્ય , અનુ. સુરેશ જોશી

૧૩. કુંતકનો વક્રોક્તિ વિચાર : રમેશ મ. શુક્લ




I/c. Registrar
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- II : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-203

પ્રશ્નપત્ર : ભારતીય સાહિત્ય

એકમ-૧ : ૧. ભારતીયતા : સંજ્ઞા અને સ્વરૂપ

૨. ભારતીયતાની વિભાવના અને લક્ષણો

૩. ભારતીયતા વિભિન્ન પરિપ્રેક્ષ્યમાં : રાષ્ટ્રીયતા , પશ્ચિમીકરણ, આધુનિકતા

એકમ-૨ : નિયત કૃતિ : (૧) 'ચિત્રલેખા'

લેખક : ભગવતીશરણવર્મા

અનુ. : કમલજીત સિંઘા

પ્રકાશન : અરુણોદય પ્રકાશન

એકમ-૩ : નિયત કૃતિ : (૨) 'તત્ત્વમસિ'

લેખક : ધ્રુવ ભટ્ટ

પ્રકાશક : ગૂર્જર ગ્રંથરત્ન કાર્યાલય

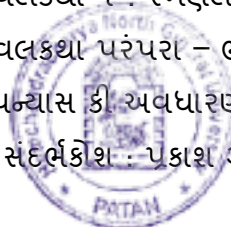
એકમ-૪ : નિયત કૃતિ : (૩) 'ગોરા'

લેખક : રવીન્દ્રનાથ ટાગોર; અનુવાદ - નગીનદાસ પારેખ

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બેના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો:

૧. તુલનાત્મક સાહિત્ય: ભારતીય સંદર્ભે - ડો. ચૈતન્ય દેસાઈ
૨. આધુનિક ભારતીય સાહિત્ય - અનુવાદ : જયંત બક્ષી
૩. રાષ્ટ્રીય એકતા ઔર ભારતીય સાહિત્ય - સંપા. યોગેન્દ્ર ગોસ્વામી
૪. અર્જિત : ડો. દીપક પટેલ
૫. ભારતીય સાહિત્ય - બળવંત જાની અને અન્ય
૬. કથા સાહિત્યમાં ભારતીયતા - સંપા. જગદીશચંદ્ર પટેલ
૭. ભારતીય શબ્દ અને સંવેદના - પ્રવીણ દરજી
૮. રવીન્દ્રનાથ ટાગોર કૃત 'ગોરા' - સંપાદક : ભરત મહેતા
૯. સંસ્કૃતિ સંદર્ભ - સં. રઘુવીર ચૌધરી
૧૦. ભારતીય નવલકથા - બિપિન આશર
૧૧. ભારતીય નવલકથા - ભરત મહેતા
૧૨. ભારતીય નવલકથા-૧ : રમણલાલ જોશી: યુનિ. ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ
૧૩. ભારતીય નવલકથા પરંપરા - ભોળાભાઈ પટેલ : રંગદ્વાર પ્રકાશન
૧૪. ભારતીય ઉપન્યાસ કી અવધારણા - આલોક ગુપ્તા - રંગદ્વાર પ્રકાશન
૧૫. નવલકથા : સંદર્ભકોશ : પુકાશ ગૂર્જર : ગૂર્જર પ્રકાશન



Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- II : CORE COMPULSORY – PAPER : C.C.-204

પ્રશ્નપત્ર : લોકસાહિત્યનું સ્વરૂપ અને પ્રકાર

એકમ-૧ : ૧. લોકગીતની સંજ્ઞા અને વિભાવના

૨. લોકગીતનાં લક્ષણો

૩. લોકગીતના પ્રકાર

એકમ-૨ : લોકગીત : કૃતિલક્ષી અભ્યાસ (પરિચયાત્મક)

૧. રઢિયાળી રાત

- ૧ - ઝવેરચંદ મેઘાણી

૩. ગુજરાતનાં લોકગીતો- ખોડીદાસ પરમાર

૨. ચંદર ઉગ્યે ચાલવું- પુષ્કર ચંદરવાકર

- ડો. ઇન્દુ પટેલ

એકમ-૩ : ૧. લોકકથાની સંજ્ઞા અને સ્વરૂપ

૨. લોકકથાના લક્ષણો

૩. લોકકથાના પ્રકાર

એકમ-૪ : લોકકથા: કૃતિલક્ષી અભ્યાસ (પરિચયાત્મક)

(૧) રંગ છે બારોટ (૨) ધરતીની અમીરાત

ઝવેરચંદ મેઘાણી

જયમલ્લ પરમાર

(૩) જવારા (૪) હેંડો વાત માંડીએ

પ્રતાપસિંહ હ. રાઠોડ

શાંતિલાલ આચાર્ય

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧થી ૪ માંથી એક-એક એમ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જેમાંથી વિદ્યાર્થીએ બે ના જવાબ લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. લોકસાહિત્ય આલોક - જશવંત શેખડીવાળા, પ્ર. પાર્શ્વ પબ્લિકેશન્સ, અમદાવાદ

૨. લોકગીત : તત્વ અને તંત્ર, સં. બળવંત જાની, પ્ર. ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર

૩. લોકકથાશાસ્ત્ર અને સંપાદન

- સં. અમૃત પટેલ, પ્ર. પાર્શ્વ પબ્લિકેશન્સ, અમદાવાદ

૪. લોકવાર્તા સ્વરૂપ વિમર્શ

, પ્રાંજલિ પટેલ , પ્ર.પાર્શ્વ પ્રકાશ, પ્ર.પાર્શ્વ પબ્લિકેશન, અમદાવાદ

૫. લોકવાર્તા ઉદ્ભવ વિકાસ અને પ્રકાર

- પુષ્કર ચંદરવાકર

૬. લોકકથાનાં મૂળ અને કુળ

- હરિવલ્લભ ભાયાણી, પ્ર. પાર્શ્વ પબ્લિકેશન્સ, અમદાવાદ

૭. વિવાવાજન

- ડો. ઇન્દુ પટેલ, પ્ર. સંસ્કાર સાહિત્ય મંદિર, અમદાવાદ

૮. રંગ છે બારોટ

, ઝવેરચંદ મેઘાણી, પ્ર. પ્રસાર, ભાવનગર

૯. રઢિયાળી રાત

- ૧, ઝવેરચંદ મેઘાણી, પ્ર. પ્રસાર, ભાવનગર

૧૦. ચંદર ઉગ્યે ચાલવું

- પ્રજ્જર ચંદરવાકર

૧૧. ગુજરાતનાં લોકગીતો

- ખોડીદાસ પરમાર, પ્ર. સાહિત્ય અકાદમી, દિલ્લી

૧૨. લોકકથા પૃથ્થક્કરણ અને ઘટનાદિ

-સં.પિનાકિની પંડ્યા , પ્ર. પાર્શ્વ પબ્લિકેશન્સ ,

અમદાવાદ

૧૩. હેંડો વાત માંડીએ

- શાંતિલાલ આચાર્ય, પ્ર. ગુજરાત સાહિત્ય અકાદમી, ગાંધીનગર

૧૪. જવારા

- પ્રતાપસિંહ હ. રાઠોડ, રંગરૂપ પ્રકાશન, અમદાવાદ



Hemchandracharya
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEMESTER- II : INTERDISCIPLINARY COURSE – PAPER : ID-205(A)

પ્રશ્નપત્ર : અનુવાદિત સાહિત્ય

નિયત કૃતિ: 'હું હીજડો- હું લક્ષ્મી'

લેખક : લક્ષ્મીનારાયણ ત્રિપાઠી

અનુવાદ : કિશોર ગૌડ

પ્રકાશક : ગંગા બા પરિવાર પ્રકાશન, અમદાવાદ

એકમ-૧ : ૧. અનુવાદનું સ્વરૂપ અને એની વ્યાખ્યાઓ

૨. અનુવાદની આવશ્યકતા અને ઉપયોગીતા

૩. અનુવાદકની સજ્જતા

એકમ-૨ : ૧. અનુવાદના પ્રકાર

૨. અનુવાદની સમસ્યાઓ અને તેના ઉકેલ

૩. અનુવાદની મર્યાદાઓ

એકમ-૩ : ૧. ગુજરાતી ભાષાની પ્રમુખ કૃતિઓનો પરભાષામાં અનુવાદ

૨. પરભાષાની પ્રમુખ કૃતિઓનો ગુજરાતી ભાષામાં અનુવાદ

એકમ-૪ : અનુદિત કૃતિનો અભ્યાસ : 'હું હીજડો- હું લક્ષ્મી'

એકમ-૫ : ઉપરોક્ત એકમ ૧ થી ૪ માંથી એક-એક એમ કુલ ચાર ટૂંકનોંધ પૂછાશે , જે પૈકી વિદ્યાર્થીઓએ બેના ઉત્તર લખવાના રહેશે.

સંદર્ભગ્રંથો: ૧. નિવેદન – અનિલા દલાલ

૨. અનુવાદ વિજ્ઞાન – મોહનભાઈ પટેલ

૩. અનુવાદ કલા- અનુવાદ : નવનીત મદ્રાસી

૪. અનુવાદની સમસ્યાઓ : એક સંગોષ્ઠિ – સં. મોહનભાઈ પટેલ

૫. અનુવાદ, આધુનિકતા અને સાહિત્યિક સંશોધન – ડો. બી.એસ.પટેલ , ડિવાઇન પ્રકાશન

૬. પંડિતયુગનું અનુવાદ સાહિત્ય – નીલા પ્રવીણ ત્રિવેદી, પાર્શ્વ પ્રકાશન

૭. દલિત સાહિત્ય સમાજ વિમર્શ – સં.જયંતિ ચાવડા અને ગણપત સોઢા




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

CORE COURSE

સમાજશાસ્ત્ર



Hemchandracharya
I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A. SEM. II
Core Course
SOCC 201
Classical Sociological Tradition

Objectives

To introduce the students to the different thinkers viewed the societal changes from different perspectives. To understand the issues related to development of Sociology as a science Acquaintance with the writings of classical thinker would equip the students with theoretical insights to know, analyse and interpret the social scenario around then and would also familiarize them with the different sociological perspectives and theories.

Outcome :

Basic theories and concepts developed by classical sociologists will be amply made dear to the students who will be able to appreciate the sociological approach on the social events.

Course Outline :

Unit-1 The Emergence of Sociology

- Social & Intellectual Forces
- Idealism vs Empiricism
- Feudal Economy and social structure
- The French and Industrial Revolution

Unit-2 Karl Marx

- Dialectical materialism, Concept of surplus value and exploitation
- Theory of Capitalism
- Concept of class and theory of class conflict
- Mode of production basic structure and super structure.

Unit-3 Max Weber

- Ideal types
- Theory of social action
- Protestant ethic
- Theory of power and authority
- Bureaucracy

Unit-4 Emile Durkheim

- Concept of social facts
- Division of labour in society
- Theory of suicide
- Theory of religion




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

Recommended Books :

1. Aron, Reymond 1965-1967: Main Currents in sociological Thought, Vol.1 and 2, Penguin on Marx, Durkheim and Weber.
2. Bendix, Rinehard 1969 : Max Weber, an intellectual portait(for Weber) Double day. New York.
3. Coser, L.A. 1977 ; Master of sociological Thought, Harcourt Brace, New York
4. Dahrendorf, Ralph 1959-Class and class conflict in an industrial society. Stanford University Press New York.
5. Gidden, Anthony 1997: Capitalism and Modern Social Theory : An analysis of writings of.
6. Marx, Durekheim and Weber . Cambridge University Press, New York.
7. Hughes, John a, Martinm Peter, j and Sharrock, W.W. 1995 : Understanding Classical Sociology-Marx, Weber and Durkheim. Sage Publications.London.
8. Nisbet 1966 sociological Tradition, Heinemann Educational Books Ltd,London.
9. Persons Talcott 1937-1949 The Sructure of socialaction, Vol.1 and 2.McGraw Hill, New York
10. Zeitlin Irvin 1981 Ideology And The Devlopment Sociological Theory. Prentice Hall New York.
11. Popper karl 1945 -Open society and its enemies . Routledge, London.
12. ચતુર્વેદી સત્યેન્દ્રનાથ: સમાજશાસ્ત્ર કા સૌદ્રાતિક પરીપ્રેક્ષ્ય, ક્ર્પ્લજ પબ્લીકેશન દીલ્હી.૨૦૦૭.
13. પાંડે ગણેશ અને પાંડે અરુણા- સામાજિક વિચારધારા એવમ સામાજિક વિચારક.રાધા પબ્લીકેશન ૨૦૦૫.
14. આહુજા રામ - સમાજશાસ્ત્ર વિવેચના એવમ પરીપ્રેક્ષયરાવત પબ્લીકેશન,જયપુર.
15. મુખરજી રવિન્દ્રનાથ - સામાજિક વિચારધારા, સરસ્વતી સદન દિલ્હી.
16. લાવાનીયા એમ. એમ. - સામાજિક વિચારક રાવત બ્રધર જયપુર.
17. શર્મા પ્રજ્ઞા - પ્રમુખ સમાજશાસ્ત્રી વિચાર પોઈન્ટર પબ્લીકેશન, ૨૦૦૪
18. શાહ વિપિન.મા. - મેક્સ વેબર યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ, ગુજરાત રાજ્ય,અમદાવાદ.૧૯૮૦
19. પરમાર વાચ એ. - સમાજસાશ્ત્રીય સિદ્ધાંતો યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ, ગુજરાત રાજ્ય,અમદાવાદ.૧૯૮૦
20. હસમુખ પટેલ - કાર્લ માર્ક્સ યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ, ગુજરાત રાજ્ય,અમદાવાદ.૧૯૮૦
21. ડૉ.રમણીક ભટ્ટી - પ્રશિષ્ટ સમાજશાસ્ત્રી પરંપરા પાર્શ્વ પ્રકાશન, અમદાવાદ. ૨૦૦૯.




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M. A. SEMESTER- II
Core Course
SOCC- 202
Qualitative Social Research

Objective :

- In depth understanding of human behaviour and the reasons that govern such behaviour
- To know inter subjective world.

Outcome :

- Student will be familler with anthropological approach and research
- Special skills for qualitative research will develop among students.

Course Outline :

Unit - I Anthropological Research Tradition

- A) Meaning and Types of Qualitative Methods
- B) Participant Observation (nature & importance)
- C) In-depth Interview
- D) Focus Group Discussion

Unit - II Case Study

- A) Meaning, Nature, Importance & limitation
- B) Merits & Demerits of Case study

Unit - III Content Analysis

- A) Meaning
- B) Nature
- C) Types of content
- D) Importance & Limitation
- E) Step of Content Analysis

Unit - IV Ethnography

- A) Importance of Ethnography
- B) Limitation of Ethnography
- C) Oral History
- D) Life History
- E) Validity & Reliability in Qualitative Research




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

Recommended Books :

1. Derzin N.K and Lincon Y.S, 1994, Introduction : Entering the field of qualitative research,
2. Srinivas M.N and Shah A.M 1979, Field worker and the field, New Delhi, oxford.
3. Bryman Alan, 1988 Quality and Quantity in social Research, London, Unwin, Hyman.
4. Krishna swami and Ranganatham M, 2008, Methodology of research in social sciences,,
5. Ahuja Ram,2004 Social Research, Rawat Publication, Jaipur.
6. Bose Pradipkumar, 1995, Research Methodology, ICSSR, Delhi.
7. Bernard H.Russell,2008, Research Methods in Anthropology, Qualitative and Quantitative Approaches , rawat publication, jaipur.
8. pooline yong 1968, scientific social survey and research Asia publishing house Bombay.
9. good and hats (1952) methods of social research mcgraw, Hill books company , new yourk.
10. selriz jehoda(1969) research method in social relation U.S.A.
11. નાયક ટી.બી.(૧૯૬૨) સામાજિક સંશોધન, ગુજરાત વિદ્યાસભા,અમદાવાદ.
12. શાહ એ.જી. અને દવે જે.કે. સામાજિક સંશોધનની પદ્ધતિઓ, અનડા પ્રકાશન અમદાવાદ.(૨૦૦૪-૦૫)
13. દવે હર્ષિદા એચ. સામાજિક સંશોધનની પદ્ધતિઓ ક્રિએટિવ પ્રકાશન, વેરાવળ.
14. દવે હર્ષિદા એચ : માનવશાસ્ત્ર, યુનિવર્સિટી ગ્રંથ નિર્માણ બોર્ડ, ગુજરાત રાજ્ય,અમદાવાદ,(૨૦૦૪)
15. દેસાઈ ઊર્મિ : સામાજિક માનવશાસ્ત્ર ભારતીય આદિજાતિ સંસ્થાઓ,રચના પ્રકાશન,અમદાવાદ (૧૯૭૫-

૭૬)




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.Sem. II

Core Course

SOCC - 203

URBAN SOCIETY IN INDIA

Objectives :

This course is designed with a view to urban society differentiating itself from rural Society. And it is yet another dimension of part society. The issues need to be looked with sociological perspective to analyses and to diagnose the urban question on Indian setting.

Course Outcome :

- Student will be familiar with Urban Society.
- Students will learn Urban theory and classification.
- To impart knowledge to students regarding Urbanization

Course Outline :

UNIT - 1 Introduction

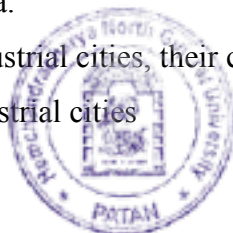
1. Urban sociology, its meaning and definition
2. Subject-matte of Urban Sociology
3. Origin of Urban Sociology
4. Significance of Urban Sociology
5. Urban community: its definition and characteristics

UNIT - 2 Theory

1. Major Schools of Urban Sociology
2. Barges - Urbanization - disorganization school Louis Wirths theory of "Urbanism as a way of life"
3. Ecological School
4. Homar Hayot - Sector theory

UNIT - 3 Classification

1. Classification of cities : bases on the size of population, functions of cities, administration and area.
2. Pro-industrial and Industrial cities, their characteristics and comparison, problems of post-industrial cities




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.SEM. II
Core Course
SOCC - 204
Sociology of Education

Objectives :

This course plan is designed to conceptualize the study of education within the discipline of sociology. It begins with a discussion of the major theoretical perspectives and the contribution of sociologists which have left their mark in the study of education and society. It assumes a basic knowledge of sociological concepts and theories. It is divided into two parts. The first part acquaints the students with major concepts, theoretical approaches and development of sociology of education. It also focuses on some important aspects which are salient in any discussion of the interface between education and society. The second part shifts to the Indian situation. Beginning with a historical perspective, it moves to the contemporary situation. It carries forward the discussion of the some dimensions/themes from the first part and embeds them in the Indian context.

Outcome :

1. Students will know the contemporary situation of education in India.
2. Student will know the contemporary situation of education in India.
3. Student will know about the issues of Education in the Indian context.

Course Outline :


Unit - 1 Introduction

- Meaning, nature and subject matter of Sociology of Education
- Emerging areas in the New Sociology of Education
- Importance of Sociology of Education.
- Relation between Sociology of Education and Sociology.

Unit - 2 Education and Socialization

- Family, Class, Caste, Community and Language
- Education, Culture and Social Change
- Inter-relationship between Education and occupational mobility, Education and Social Mobility
- Inter-relationship between Education, Modernization, Development and Economy
- Education and Culture Lag




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

M.A.Sem.II
Inter Disciplinary Courses
SOIDC 205
Sociology of Tribal People
(Optional Paper)

Objectives

The tribal folks constitute a significant segment of Indian society. The aim of this paper is to provide a comprehensive understanding of tribal people in terms of their distribution and concentration, demographic feature , social structure and cultural patterns with the help of illustration from tribal society in India and Gujarat.

Outcome :

Students well able to know the Tribal People.

Students well able to know the Tribal cultural and development of Gujarat.

Students well able to know the Role of Government for Tribal Development in Gujarat.

Course Outline :

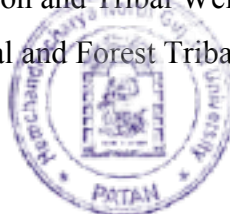
Unit – 1 Introduction

- Tribal communities in India Demographic strength
- Tribal communities in Gujarat Demographic strength
- Distribution distinctive features of tribal communities.
- Social Structure of Tribes in Gujarat.

Unit – 2 Perspective Programmes and Politics

Perspective Programmes and Politics in the Post-Colonial Period

- A. Isolation
- B. Assimilation
- C. Adaptation
- D. Acculturation
- E. Protective Discrimination and Tribal Welfare
- F. Relationship with Tribal and Forest Tribal and land




I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

